सिंगापुर, जापान से 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव लेकर लौटे योगी

दिग्गज कंपनियों के साथ 1.5 लाख करोड़ के एमओयू, 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिंगापुर और जापान का चार दिवसीय दौरा निवेश, तकनीक व वैश्विक साझेदारी के लिहाज से सफल रहा। दोनों देशों से 1.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जबकि 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। इसमें जापान में 90,000 करोड़ के एमओयू व करीब 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव और सिंगापुर में 60,000 करोड़ के एमओयू और लगभग 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। होने वाले इन नए निवेश से प्रदेश में 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

जापान से होने वाले प्रमुख एमओयू में कुबोटा कॉरपोरेशन, स्पार्क मिंडा (सहयोग में टोयो डेन्सो), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री और नागासे एंड कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। वहीं बी2जी बैठक में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन, होंडा कार्स, कोनोइके ट्रांसपोर्ट कंपनी, मित्सुई एंड कंपनी, रैपिडस कॉरपोरेशन, मारुबेनी कॉरपोरेशन, सुमितोमो रियलिटी एंड डेवलपमेंट कंपनी और एमयूएफजी बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों ने सहभागिता की। ये कंपनियां प्रमुख रूप से कृषि मशीनरी, ऑटो ओईएम व कंपोनेंट्स, ऑटो आरएंडडी, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, पावर-टू-गैस, कंप्रेस्ड बायो गैस, ईएसडीएम, लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग के क्षेत्र में निवेश करेंगी। >> सीएम का जापान दौरा : पेज 2

जापान में ट्रेन से सफर करते सीएम योगी आदित्यनाथ। -सूचना विभाग

हरित ऊर्जा को बढ़ावा, ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र होगा स्थापित

जापान दौरे में हरित ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी, यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी, आईआईटी कानपुर, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी बीएचयू और मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की घोषणा की गई।